गुरुमाई चिद्विलासानन्द की ओर से
मातृ दिवस की बधाई
अकीर्तित नायिका को एक भावाञ्जलि

वसन्त के आगमन पर
माँरूपी प्रकृति समस्त सृष्टि का पोषण करते हुए
अपनी सत्ता के खिलने का आनन्द मना रही है।
सिद्धयोग पथ पर,
माँ की भूमिका अत्यधिक मूल्यवान एवं सराहनीय है,
क्योंकि माँ प्रथम शिक्षिका है
और सन्तान जीवनपर्यन्त उस ज्ञान को धारण किए रहती है
जो उसने अपनी माँ के करुणामय पालन-पोषण से ग्रहण किया है।

माँ का काम कभी समाप्त नहीं होता।
हर माँ एक अकीर्तित नायिका है।
और, मैं हर माँ को यह बताना चाहती हूँ :
तुम महान हो। तुम प्रेम की पात्र हो। तुम सराहनीय हो।
ऐसा कुछ भी नहीं है जो माँ अपनी सन्तान के लिए न करे।
सन्तान सौभाग्यशाली होती है अपनी माँ के कारण।
सन् १९०८ के मई माह में,
दक्षिण भारत में, एक महान माँ ने जन्म दिया था एक योगी को —
बाबा मुक्तानन्द।

विश्व भर में सिद्धयोगी,
इन महान योगी के जन्मदिवस के सम्मान में आयोजित
सार्वभौमिक सिद्धयोग ऑडिओ सत्संग में
भाग लेने की तैयारी में रत हैं।
तुम सबको मातृ दिवस की बधाई।

गुरुमाई चिद्विलासानन्द

©2016 SYDA Foundation®. All rights reserved.